



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 9, 1980 (मैघ 20, 1901)
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 9, 1980 (MAGHA 20, 1901)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	149	किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	पृष्ठ 263
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	151	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	343
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	83
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	191	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1461
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खण्ड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	65
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	11
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी	—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	787
		भाग IV—नैर सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	19

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 149	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 263
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	151	PART II—SECTION 3.—SUB.SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	343
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	83
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	191	PART III—SECTION 1.—Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1461
PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	65
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	11
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (1).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	787
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	19

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राज्य सभा सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० भार० एस० 18/80-डी—कर्नाटक राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य सभा के निर्वाचित सदस्य, श्री एच० भार० बसवराज, ने राज्य सभा में अपना स्थान त्याग दिया है और उनका त्याग-पत्र सभापति द्वारा 17 जनवरी, 1980 से स्वीकार कर लिया गया है।

श्री० शा० बालेराव, महासचिव

योजना मंत्रालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० एच०-11021/27/79-सम्बन्ध—भारत सरकार मूल्य एवं निर्वाह सांख्यिकी विषयक निम्नलिखित सदस्यों की तकनीकी सलाहकार समिति का दिनांक 31 जनवरी, 1980 से पुनर्गठन करती है।—

- | | |
|--|---------|
| 1. निदेशक
केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन,
सांख्यिकी विभाग
नई दिल्ली। | अध्यक्ष |
| 2. सलाहकार,
रोजगार, श्रम एवं जनशक्ति योजना,
योजना आयोग, नई दिल्ली। | सदस्य |
| 3. प्राथमिक एवं सांख्यिकीय सलाहकार,
कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय,
नई दिल्ली। | |
| 4. मुख्य प्राथमिक सलाहकार,
वित्त मंत्रालय,
प्राथमिक कार्य विभाग
नई दिल्ली। | सदस्य |
| 5. प्राथमिक सलाहकार,
उद्योग मंत्रालय,
नई दिल्ली। | सदस्य |
| 6. प्राथमिक सलाहकार,
योजना आयोग,
नई दिल्ली। | सदस्य |
| 7. सदस्य सचिव,
कृषि मूल्य आयोग,
कृषि विभाग,
कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय,
नई दिल्ली। | सदस्य |

8. निदेशक

क्षेत्र संकाय प्रभाव
रा० प्र० सर्वे० संगठन,
सांख्यिकी विभाग
नई दिल्ली।

सदस्य

9. निदेशक,

सर्वेक्षण अधिकृत एवं अनुसन्धान प्रभाग
रा० प्र० सर्वे० संगठन,
कलकत्ता।

सदस्य

10. निदेशक

श्रम व्यूरो,
श्रम मंत्रालय,
शिमला।

सदस्य

11. सांख्यिकीय सलाहकार,
रिजर्व बैंक आफ इण्डिया,
बम्बई

सदस्य

12. निदेशक,

प्राथमिक एवं सांख्यिकीय,
केरल सरकार,
त्रिचेन्द्रम।

सदस्य

13. निदेशक,

प्राथमिक एवं सांख्यिकी,
हरियाणा सरकार,
चण्डीगढ़।

सदस्य

14. निदेशक,

प्राथमिक एवं सांख्यिकी
हरियाणा सरकार,
पठाना

सदस्य

15. संयुक्त निदेशक,

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन
सांख्यिकी विभाग
नई दिल्ली।

सदस्य

2. राज्य सरकारों के प्रतिनिधि 31 जनवरी, 1980 से 2 वर्ष की अवधि के लिये समिति में कार्य करेंगे।

3. पुनर्गठित समिति के कार्य निम्नलिखित होंगे।—

(क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा मंच शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा पारिवारिक बजट सम्बन्धी पृष्ठताछ के लिये प्रस्तावों की समीक्षा,

(ख) उपभोक्ता मूल्य तथा सुव्यवस्थित मंहगाई सम्बन्धी सूचकांक तैयार करने के लिये केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा मंच शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा तैयार की गई स्कीमों की समीक्षा, और अखिल भारतीय तथा राज्य स्तर के सूचकांकों

से संबंधित समस्याओं को सम्मिलित करते हुए इनसे संबंधित विशेष समस्याओं की समीक्षा;

- (ग) संकल्पनाओं, परिभाषाओं, कीमत संग्रह सम्बन्धी प्रणालियों में सुधार तथा मानकीकरण और उपभोक्ता मूल्य तथा कुलनात्मक मंहगाई सम्बन्धी सूचकांकों का संकलन,
 - (घ) थोक कीमतों, फुटकर कीमतों और उत्पादनकर्ता सम्बन्धी कीमतों तथा ग्राम्य मूल्य सूचकांकों को तैयार करने के लिये केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों अथवा संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा तैयार की गई स्कीमों की समीक्षा और अखिल भारतीय एवं राज्य स्तर सूचकांकों सम्बन्धी समस्याओं को सम्मिलित करते हुए उनसे संबंधित विशेष समस्याओं की समीक्षा।
 - (ङ) संकल्पनाओं, परिभाषाओं, मूल्य संग्रह की प्रणालियों में सुधार तथा मानकीकरण और थोक, फुटकर उत्पादन, कर्तार एवं ग्राम्य मूल्य सम्बन्धी सूचकांकों का संकलन, जिसमें प्रत्येक प्रकार के सूचकांकों के लिये समुचित भारतीय प्रणालियाँ सम्मिलित हैं।
 - (च) मूल्य सांख्यिकी के संग्रहण, संकलन और प्रसार की समेकित प्रणाली को तर्कसंगत बनाने और विकसित करने के विचार से संगठनात्मक व्यवस्था तथा मूल्य संग्रह सम्बन्धी तालमेल की समीक्षा।
4. समिति को सचिवालयीय सहायता केन्द्रीय सांख्यिकीय संवर्धन, सांख्यिकी विभाग द्वारा प्रदान की जायेगी।

एक० एस० सेठी, प्रवर सचिव

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1980

सं० 11013/6/79-आई० ई० एस०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड IV की रिक्तियों को भरने के लिए 1980 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं:—

- (i) भारतीय अर्थ सेवा और
- (ii) भारतीय सांख्यिकीय सेवा,

2. परीक्षा के परिणामों के आधारे पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है:—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1961, संविधान (अनुसूचित जन जाति), (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां सूचियां (अनुसूचित) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन)

अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959, अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, वमन और दिसू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968, संविधान (गोवा दमन और दिसू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968 और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार—

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा अवश्य हो, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों जाम्बिया, मालावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1980 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 28 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1952 से पहले और 1 जनवरी 1959 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्न-लिखित मामलों में छूट दी जाएगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964, और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (vi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (vii) यदि उम्मीदवार वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत

में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के रक्षा कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे, और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्मित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र विषय सहित डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

टिप्पणी I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता

है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की ग्रहक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे ग्रहक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 15 अक्टूबर 1980 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी II : विशेष परिस्थितियों में, संच लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई योग्यता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई भी ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

टिप्पणी III : यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा ग्रहता प्राप्त हो, किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

8. सभी उम्मीदवार, जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिचयन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समयन प्राप्त किया हो, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा

(v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किन्हीं अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

(viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अप्रसंगिक भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(xi) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवप्रेरित करने का प्रयास किया हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम ग्रहक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व

परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुशंसा की जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है वे नियुक्तियां उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हों नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देते समय व्यक्त किए गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाए गए वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार अरिक्त तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के

बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता है तो नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा कराई जा सकती है।

टिप्पणी : कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके व्यतिरे इन नियमों के परिशिष्ट III में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए तथा उसके फल-स्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कामियों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

18. जिस व्यक्ति ने,

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

पी० जी० लेले, उप सचिव

परिशिष्ट I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग I : नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग II : आयोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	निर्धारित समय
1	2	3	4
क. भारतीय अर्थ सेवा			
1. सामान्य अंग्रेजी	150		3 घण्टे
2. सामान्य अध्ययन	150		3 घण्टे
3. सामान्य अर्थ-शास्त्र I (भाग I और भाग II)	200	भाग I 1 घण्टा) भाग II 2 घण्टे)	3 घण्टे
4. सामान्य अर्थ-शास्त्र II (भाग I और II)	200	भाग I 1 घण्टा) भाग II 2 घण्टे)	3 घण्टे
5. भारतीय अर्थशास्त्र (भाग I और II)	200	भाग I 1 घण्टा) भाग II 2 घण्टे)	3 घण्टे

ख. भारतीय सांख्यिकी सेवा :

1. सामान्य अंग्रेजी	150	3 घण्टे
2. सामान्य अध्ययन	150	3 घण्टे
3. सांख्यिकी I	200	3 घण्टे
4. सांख्यिकी II	200	3 घण्टे
5. सांख्यिकी III	200	3 घण्टे

नोट I : सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट II : भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्न पत्र के भाग I में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न पत्रों के भाग II में संक्षिप्त उत्तर और निबंध वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट III : भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 और 4 विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न पत्र में निबंध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट IV : अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों प्रश्न पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं, परिशिष्ट IV पर उम्मीदवारों की विवरणिका देखिए।

नोट V : उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए।

4. उम्मीदवार को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे उन्हें किसी भी हालत में उनकी और उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग ने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ काट लिए जाएंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में मुख्यस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न पत्रों में जहां, आवश्यक हो, तोलों और मापों की केवल मेट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुसूची भाग "क"

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धांत को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धांत की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी

प्रश्न इस प्रकार पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों की अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों का अकुशल प्रयोग करने की क्षमता को जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामलों भी होंगे जो दैनिक निरीक्षण और अनुभव से संबंधित हैं और जिनकी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पड़ा लिखा आदमी समझ सकता है। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उत्तर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

सामान्य अर्थ-शास्त्र—1

उपभोक्ता की मांग का सिद्धांत। तदस्थता वक्र विश्लेषण, प्रकट अधिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धान्त : उत्पादन के तत्त्व, उत्पादन कृत्य, प्रतिफल के नियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धांत : विपणन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धांत : उत्पादन के तत्त्वों का मूल्यन, भाड़ा, मजदूरी, म्याज और लाभ के सिद्धांत विनाश वितरण सिद्धांत संकलन समस्या आय वितरण में असमानताएं।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र : प्राचीन और नवीन कल्याण-मूलक अर्थ शास्त्र, अतिपूर्ति नियम, नीतिमूलक ग्रंथियां।

राष्ट्रीय आय की अवधारणा— सामाजिक लेखा नियोजन का सिद्धांत निपज और मुद्रास्फीति, शास्त्रीय और भवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के बारे में कीन्स का सिद्धांत और कीन्स के बाद की गतिविधियां।

सामान्य अर्थशास्त्र—II

आर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन विकास के सिद्धांत।

विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं : जन-संख्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन: अवधारणा और पद्धतियां : आर्थिक संगठन की पूंजीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन मिश्रित अर्थ व्यवस्था में ; आयोजन, परिदृष्ट्यात्मक आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविधियों का चयन।

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र: अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धांत।

भुगतान संतुलन: भुगतान संतुलन में असमानताएं, समंजन की प्रक्रिया विदेश व्यापार, विनियम की दरें, आयात और विनियम के नियंत्रक।

आई० एम० एफ० और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सुधार, —जी० ए० टी० टी० आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता, आई० बी० आर० डी० और उसके अनुबन्ध।

मुद्रा: उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केन्द्रीय और वाणिज्यिक बैंकों के कार्य।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य कराधान और व्यय के सिद्धांत सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभाव, और घटन-घाटे की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक ऋण का सिद्धांत।

अर्थ शास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय औसत और विचलन के माप मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक उनकी सीमाएं।

भारतीय अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थ व्यवस्था के बुनियादी लक्षण—विकास तंत्र कृषि और उद्योग की भूमिका विदेश व्यापार की भूमिका संयुक्त विकास की अवधारणा।

आयोजन: उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंच वर्षीय योजनाएं—साधन संपादन की समस्या।

कृषि: नया कृषि तंत्र—भू संबंध और भू सुधार—देहाती साख—सिंचाई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य-फलन आयोजन—सामुदायिक विकास—उपा-जीविका और ग्रामोद्योग।

सहकारिता: ग्रामीण विकास में उसका स्थान—भारत में सहकार आंदोलन का विकास।

2—441GI/79

उद्योग: औद्योगिक विकास का व्यूह—स्थल निर्देश की समस्या—वृहत्कार और लघु उद्योगों की समस्याएं—औद्योगिक नीति—औद्योगिक-संपदाएं—औद्योगिक वित्त के संसाधन—विदेशी पूंजी की भूमिका—सार्वजनिक उद्यम: संगठन, प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति।

श्रम: रोजगार बेरोजगारी और कम रोजगारी—औद्योगिक संबंध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति—

विदेशी व्यापार: भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भुगतान संतुलन।

मुद्रा और बैंकिंग: भारतीय मुद्रा विपणन का संगठन—वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति—

सार्वजनिक वित्त: वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि—कराधान नीति—संघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्यों के बीच वित्तीय संबंध—

सांख्यिकी—I

नोट : केवल वस्तुपूरक (बहुविकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता)—माप सिद्धांत के तत्व-प्रसिद्ध परिभाषाएं और स्वयं सिद्ध अभिगम—प्रतिदर्श अवकाश—संकुल और संकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं में से घटनाओं की प्रायिकता—प्रति बंधित प्रायिकता—बेयर्स का प्रमेय—संयोगिका विचरण—विरल और अविरल—वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बरनौली, समरूप, द्विपदीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, घातीय सामान्य, काची, परा-ज्याह मितिय, बहुपदीय, लाप्लेस, ऋणद्विपदीय, बीटा, गामा, लघुसामान्य तथा संकलित पाइसन वितरण—अभिसरण, वितरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और माध्य वर्ग में—आधुनिक और संचायक-गणितीय अपेक्षा और प्रतिबन्ध अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और आधुनिक तथा प्रायिकता जनक फलन विलोम विलक्षणता और सातत्य सिद्धांत—तटकेवाध्वेक और कोल्मो-गोरोव असमानताएं—बृहत संख्या नियम और स्वतंत्र विचरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धांत।

सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथ्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—घाटे, डायग्राम और हिस्टोग्राम—आवृत्ति वितरण—निर्देशन, विक्षेपण और विषमता का माप द्विचर और बहुचर तथ्य—साहचर्य और आसंग—वक्र समजन और लांबिक बहुपद—द्विचर वितरण—द्विचर सामान्य वितरण—समाश्रणय, रेखीय बहुपदीय—सहसंबंध गुणांक का वितरण—आंशिक और बहुल सहसंबंध अन्तर्गम्य सहसंबंध—सहसंबंधअनुपात—

मानक त्रुटियां और बृहत प्रतिदर्श परीक्षण—प्रतिदर्श वितरण— x, s, t, chi — नर्ग और — F , — इन पर

आधारित प्रमुखता परीक्षण— गैर परामितीय परीक्षण— साइन, मीडियन, रन, विलकासन, मनविटनी, वाल्ड वुल्फेविट्ज आदि—वरीयता क्रम सांख्यिकीय—अल्पतम, अधिकतम, रेंज और मीडियम।

आंकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लांगरैज, न्यूटन—ग्रेगरी न्यूटन (विभाजित अंतर), गाय और स्टर्निंग पर प्रचलित अन्तर्वेशन ताल (लेप संभावना सहित)—यूलर मक्लारिन का संकलन सूत्र—विशेष अन्तर्वेशन—आंकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रथम गुणांक का विभेद समीकरण—स्थिर गुणांकों के साथ एक द्वितीय विभेद समीकरण—

सांख्यिकी— II

नोट :—केवल वस्तुपरक (बहु विकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे। एकाध्यायी प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक धात्रीय आकलन का सिद्धांत—गाय मार्कोफ प्रतिष्ठापन—कनिष्ठ वर्ग आकलन—जी—त्रिलोम का प्रयोग—एक तरफा और दो तरफा वर्गीकृत तथ्य का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान—समाश्रयण गुणों के लिए परीक्षण—

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अच्छे आकलन के लक्षण—अत्यधिक संभावना, कनिष्ठ श्री० वर्ग, आधूण और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियाँ—अत्यधिक संभावना आकलन—क्रेमर राव असमानता—भट्टाचार्य परिसीमाएं—पर्याप्त आकलन—गुणन खंडन प्रमेय—संपूर्ण आंकड़े—राव—ज्जेकवेल् प्रमेय—विश्वास अंतराल आकलन—इष्टतम विश्वास परिसीमाएं :

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की त्रुटियाँ—क्रांतिक क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के क्रांतिक क्षेत्र और सरूप क्षेत्र—धातु फलन—अत्यंत प्रभावशाली और गणन रूप से अत्यंत प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, परियर्मन आधारभूत तम—अनभिन्न परीक्षण—स्थानीयपुलाक परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—वाल्ड का SPRT—OC और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तत्व और खेल सिद्धांत—

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—माध्य प्रसारक का आकलन और सहचारिता व्यूह होटलिंग का T₂ स्थातिक महलनाविस का D₂स्थतिक—बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिद्वेष में आंशिक और बहुल सहसंबंध गुणांक—विभाग का वितरण, उसका प्रतिरूपणांकतमक और अन्य स्वभाव—विवेक का निकर्ष—विवेचनात्मक फलन—प्रमुख घटक नियमानुसूल विचार और सहसंबंध—

सांख्यिकी—III

नोट :—केवल निबंध शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें सुदीर्घ और जटिल निरूपण आवश्यक न हों।

भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

प्रतिदर्श प्रविधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जन्मगणना बनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल या दृच्छिक प्रतिचयन और प्रतिदर्शी आबंटन—लागत और विचरण फलन—आकलन की आनुपातिक और समाश्रयी पद्धतियाँ—आकार के सामानुपात में प्रायिकता सहित प्रतिचयन—संकल, दुहरा, बहुस्त्री, बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन—अंत, प्रवेशी उप प्रतिचयन—प्रतिचयनेतर त्रुटियाँ। अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

भूमय श्रेणी के घटक—उनके निर्धारण की विधियाँ—विचरण विभेद पद्धति—यूल, स्वरुकी, द्रभाय—सहसंबंध चित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयंसमाश्रमयी प्रतिदर्श—समावधि चित्र का विश्लेषण—मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक और उनके भावेश गुण—थोक और खुदरा मूल्यों के सूचकांक की रचना—आय वितरण—पैरिटो और इंगेल वक्र—एकाग्रता वक्र—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियाँ—खंडांतर प्रवाह—अन्तरीष्टोषिक तालिका।

भाग (ख)

(उम्मीदवार निम्नांकित विषयों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।)

(i) सांख्यिकीय ग्रुप नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)।

विचरों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र—गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन एकल, द्वंद्व, बहुल और शृंखलामूलक प्रतिचयन योजनाएं—OC और ASN—फलन—AOQL और ATI की धारणा—विचर के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—डाइज रोमिक और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेखागत कार्यायतन के प्राथमिक तत्व—मिस्प्लेवम प्रक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएं—द्वंद्वतात्मकता का नियम—एकल और बहुल आवधिक सूची नियंत्रण के नमूने—ABC विश्लेषण—प्रतीक्षा रेखा प्रतिदर्श के लक्षण—M/M/I, M/M/C नमूने—ग्राम नकली की समस्याएं—नष्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनसांख्यिकी और जनन-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता) जीवन-तालिका, उसका निर्माण और लक्षण—मेकहम और रामपटर्स वक्र—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएं—राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएं—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियाँ—कुल प्रजनन गतियाँ—कुल और निवल उत्पादन गतियाँ—विभिन्न मरण गतियाँ—मानकीकृतमरण गति—आंतरिक और अन्तर राष्ट्रीय प्रजनन—

नवल प्रवजन—अंतर राष्ट्रीय और जनगणनोत्तर आकलन-वृद्धि धाती वक्र समंजन सहित प्रक्षेपण विधियाँ—भारत में दशाब्दीय जनगणना।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्ण रूप से यादृच्छिक बनाये गये, यादृच्छिक खंड और रैंटिन चौक अभिकल्पों का वियोजन और विश्लेषण—क्रमगुणित प्रयोग और 2³ और 3³ प्रयोगों में संश्रम—खंड और उपखंड अभिकल्प—संतुलित और अर्द्ध संतुलित अतृपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहचारिता का विश्लेषण—लांविक्तेतर तथ्यों का विश्लेषण—लुप्त और मिश्रित ब्यूह के तथ्यों का विश्लेषण—

(iv) अर्थमिति : (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धांत और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन—मांग की लोच—संरचना और नमूना—एकल समीकरण शैली में प्राचलनों का आकलन—परंपरागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अल्पतम वर्ग—विप्र-दयता, क्रमागत सहसंबंध—बहुसमसंख्ययिता—विचर प्रतिदश में वृद्धियाँ—समकालिक समीकरण प्रतिदर्श—तथात्मकता वरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परोक्ष अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक आर्थिक भविष्य कथन।

भाग 'ख'

मौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार संयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जायगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जायेगी कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझ-बूझ के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई खोजों में रुचि लें, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजनयुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिकता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चार्ित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्यौरा:—

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड IV में परिवीक्षा

के आधार पर की जायेगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परिवीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाये तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिवितियाँ उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जायेगा।

5. भारतीय अर्थ-सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा के निरित वेतनमान निम्नलिखित हैं:—

चयन ग्रेड रु० 2000-125/2-2250

(नान-फंक्शनल)

ग्रेड-I निदेशक रु० 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त निदेशक रु० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप निदेशक रु० 1100-50-1600

ग्रेड-IV सहायक निदेशक रु० 700-40-900 -द० रो०-40-1100-50-1300

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड IV से पदोन्नति समय-समय पर यथासंशोधन भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी को कर्तीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा नको किसी राज्य सरकार या गैर-सरकार संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तों तथा छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप "क" के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हों जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधन की शर्तों के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किये जाएंगे।

परिशिष्ट-III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर क हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एक्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

2. भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर वह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :—वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब, और कन्धे माप-दंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी, नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आडी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :—उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों, और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों? फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैंड) के निम्न कोणों (इन्फ्रि-रियर ऐंगल्स) से लगा रहे और फीत को छाती के गिर्द ले जानें पर उसी आड़े समतल (हारिजण्टल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव और से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया

जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम से कम के भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जायगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6(क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
6/9	6/9		
	या		
6/9	6/12	जे० I	जे० II

दृष्टि सम्बन्धी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जोकि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र : सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फ्रंटेशन मथड) द्वारा दृष्टि की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पेगमीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौधी (नाइट ब्लाइण्डनेस) : साधारणतया रतौधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन "ए" की कमी होने के कारण और (2) टीना के शारीरिक रोग के कारण जिनकी आम वजह रेटिनोइटिस पिगमेंटोसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति प्रसामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन "ए" के खाने से ठीक हो जाती है। अगर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस

श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होती है। सरकार में ऊँची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अन्धेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए, विशेषतया जब फंडस न हो तो इलैक्ट्रो-रेटिनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अन्धेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। और इसलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी झूठी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन)।

(i) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टल एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।

(ii) भेंगापन (स्विंट) : तकनीकी सेवाओं में, जहां द्विनेत्री (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि ही सामान्य हो और दूसरी आंख की मंद दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बोध हेतु विविध दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई निविल पवों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनु-शंसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख :—

(i) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की की दृष्टि ज० 1, चश्मा I लगाकर अथवा उसके बिना, हो बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिनयन में त्रुटि 4 डायॉप्टर डिग्रि से अधिक न हो।

(ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष में संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टैक्ट लैन्स :—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टैक्ट लैन्स के प्रयोग की आशा नहीं होगी : यह आवश्यक है कि आंख की जांच करने समय दूर की नजर के के लिए टाइप किए हुए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रेशर :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाई विधि नीचे दी जाती है :—

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की ओर 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि धबराहट (एक्साइटमेंट आदि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यात्मक (आर्गनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सरे और विशुद्ध हृदलेखी (इलैक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारेवाले दाबातरमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का उपकरण (इस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या धबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा गिराविल और आराम से हो। कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और उसके नीचे किराने की कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच उपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (ब्रेकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचो-बीच स्टथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के

माथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इनमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर तक पारे का कालम टिका होता है वह मिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर तक ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जायें, वह डायस्टालिक प्रेशर है। वनड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभ कर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं)। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लाइकोसुरिया) के भिवाण, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साफ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केम को मेडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टायपरेम टेस्ट यमेल जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाये।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको स्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रभव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेबिटेशनर से आरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रभृति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिये उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित प्रतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए।

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कान को कोई खराबी हो तो उसके परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज श्रवण क्रिया (अपरेणन) या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली नहीं। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है:—

1. एक कान में प्रकट यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरा-अथवा पूर्ण बहरापन, पन 30 डेसीबेल तक हो तो दूसरा कान सामान्य गैर-तकनीकी काम के लिये योग्य।
2. दोनों कानों में बहरापन यदि 1000 से 4000 तक का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन श्रवण यंत्र (हियरिंग 30 डेसीबेल तक हो तो एड) द्वारा कुछ सुधार तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।
3. सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल (i) एक कान सामान्य हो टाइप के टिमपेनिक दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/ (i) किसी एक कान के दोनों ओर से मस्टायड केबिटी से तबम नार्मल श्रवण।
(ii) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सब-नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये योग्य।

- (ii) दोनों ओर में मस्टारड कैबिटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता, श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य।
5. बहते रहने वाला कान तकनीकी तथा गैर तकनीकी आपरेशन किया गया/दोनों प्रकार के कामों के लिये बिना आपरेशन वाला। अस्थायी रूप में अयोग्य।
6. नामापट/ की हड्डी (i) प्रत्येक मामले की परिमबंधी विस्पताओं स्थितियों के अनुसार निर्णय (बोनी डिफासिटो) लिया जायेगा। सहित अथवा उसमें रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलजिक दशा।
- (ii) यदि लक्षणों सहित नामापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप में अयोग्य।
7. टॉसिलस और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की (i) टॉसिलस और/या स्वर यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा—योग्य।
- (ii) यदि आवाज में अत्यधिक वर्कणता विद्यमान हो अस्थायी रूप में अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के (i) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य। अथवा अपने स्थान पर (ii) दुर्दभ ट्यूमर—अयोग्य। दुर्दभ ट्यूमर।
9. आस्टोक्लिरोमिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।
10. कान, नाक, अथवा गले (i) यदि काम काज में के जन्म-जात दोष। बाधक न हो तो योग्य।
- (ii) भारी माला में हकलाहट हो तो अयोग्य।
11. नेजल पोलि। अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर तकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।)
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं। उसका दिल या

फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

- (मैं) उस पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रक्खर है या नहीं।
- (छ) उसे हार्डरोमाइड, बड़ी हुई बैरिकासिल, बैरिकाजिगणरा (ग्रेन) या ववामीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी अधियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनमें कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कागसर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्पनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञान न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं संदेह हो निकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विपथन (पेब्रेशन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविकार विज्ञानी मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलनीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किये जायेंगे। शेष दूसरों के मामले में यह जब्त कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपनी आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये अपीलनीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में बी जाने वाली यात्राओं के लिये कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा।

अपीलों के निर्धारण शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिए मंत्रिमंडल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

भारीरक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अप्वाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या भारीरक दुर्बलता (वाइली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरंतर कारणर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ यह भी नोट कर लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरंतर कारणर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की मलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरंतर कारणर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतया तीन सदस्य होंगे। (i) एक कार्य चिकित्सक, (ii) एक शल्य चिकित्सक और () एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के उम्मीदवारों को भारत में और भरत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं। डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तथा मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ग्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (अपेध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर “अयोग्य” करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्न-लिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित बातवनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए :—

1. अपना पूरा नाम लिखें—
(साफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें—
3. (क) क्या आप अनुसूचित जाति या गोरखा, गढ़वाली, असमिया नागालैण्ड जन जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका अंशतः कब दूसरों से कम होता है “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर “हां” में हो तो उस जाति का नाम बताइए।
3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रक-रक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, घूफ में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, स्मेडिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

अवध

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई?

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्योरे दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	--	--

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहिनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	---

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

10. कब और कहां मेडिकल बोर्ड हुआ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—

मैं घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किये—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बाधक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

—(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास ————— अच्छा ————— बीच का ————— कम ————— कम।

पोषण : पतला ————— मोटा —————

कद जूते उतार कर ————— वजन —————

अत्युत्तम वजन ————— कब था ? —————

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन —————

तापमान —————

छाती का घेर —————

(1) पूरा सांस खींचने पर —————

(2) पूरा सांस निकालने पर —————

2. रक्ता ————— कोई जाहिरि बीमारी

3. नेत्र —————

(1) कोई बीमारी —————

(2) रतौंधी —————

(3) कलर विजन का दोष —————

(4) दृष्टि नेत्र (फीडब्याक विजन) —————

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) —————

(6) फंइस की जांच —————

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की पावर गोल सिलि एक्सिस

दूर की नजर दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर दा० ने०

बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया दा० ने०

(व्यक्ति) बा० ने०

4. कान : निरीक्षण ————— सुनना —————

————— दायां कान ————— बायां

कान —————

5. ग्रंथियां ————— थाइराइड —————

6. दांतों की हालत —————

7. श्वसन तंत्र (रस्परेटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्योरा दें ? —————

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलेटरी सिस्टम)।

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लीजन) गति (रेट) :—

खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने पर के बाद —————

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद —————

(ख) ब्लड प्रेशर —————सिस्टोलिक —————
—————डायस्टोलिक।

9. उबर (पेट) घेर—————स्पर्श
सहृता हृनिया—————

(क) दवा कर मालूम पड़ना/जिगर —————
तिल्ली —————गुर्दे —————
ट्यमर —————

(ख) रक्तार्श
भगंदर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वे सिस्टम) संत्रिका या मानसिक
अशक्तता का संकेत —————

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) की असमानता

12. जनन मूल तंत्र (जैनिटी यूरिनरी सिस्टम) ————
—————हाईड्रोसील बैरिकसिल आदि का कोई
संकेत।

मूल परीक्षा :—

- (क) कैसा दिखाई पड़ता है ?
- (ख) अपेक्षित गुण (स्पेसिफिक ग्रेविटी)।
- (ग) एलबुमिन
- (घ) शक्कर
- (ङ) कास्ट
- (च) कोशिकाएं (सैल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है ?

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिये सब तरह से योग्य पाया गया है ?

(ii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिये योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :—

- (i) योग्य (फिट)
- (ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण ————

(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण

स्थान —————अध्यक्ष —————

तारीख —————सदस्य —————

सदस्य —————

परिशिष्ट-IV

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फौलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

(ख) परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांशों देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक (प्रति संलग्न) में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के क्रम में प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक

के आयात को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

इसलिए यह जरूरी है कि :—

(1) प्रश्नों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान, संभव है, मशीन से ठीक ठीक न पढ़े जाएं।

(2) अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

(3) उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएंगे। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी

भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

(ङ) विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में आने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संवद्ध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा श्रद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हो तो चिंता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों को बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं और आपको “हाल” छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षा-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है।

- अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- अशोकत्तर युग में आर्थिक रिकतता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में:

- विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यक्रम कार्यक्रम का मुख्य प्रयोजन:—

- विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है:

- शुक्र
- मंगल
- बृहस्पति
- बुध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन सा विवरण स्पष्ट करता है?

- पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ होती है।
- पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- पेड़-पौधे जितने कम होते हैं, उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

संकल्प

सं० 33012/2/78-अ० नी०:—उत्पादन अनुमानों की लागत से संबंधित पद्धति, प्रक्रिया तथा अन्य सम्बन्ध मामलों की समीक्षा करने के लिये भारत सरकार के संकल्प सं० 33012/2/78 अ० नी० दिनांक 30 जनवरी, 1979 द्वारा गठित विशेष विशेषज्ञ समिति की अवधि 31 दिसम्बर, 1979 तक बढ़ाई गई थी। रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिये अधिक समय की आवश्यकता है, अतः विशेष विशेषज्ञ समिति की अवधि को 31 मार्च, 1980 तक बढ़ाने का निर्णय किया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, श्रीर विभागों, सभी राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, विशेष विशेषज्ञ समिति के सभी सदस्यों, डा० एम० पी० पन्त, अर्थशास्त्री, अर्थ तथा सांख्यिकी निदेशालय, कृषि और सिंचाई मंत्रालय के सभी संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालयों, कृषि विभाग और अर्थ तथा सांख्यिकी निदेशालय के सभी अधिकारियों, महा-निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा सचिव (डेर), अध्यक्ष तथा सदस्य सचिव, कृषि मूल्य आयोग, निदेशक (जन मन्पक) को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये।

एम० ए० स्वामीनाथन, सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

संकल्प

सं० 13012/1/78-अ० नी०:—भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गठित सहकारी ऋण संस्थाओं के अनिवार्य सम्बन्धी अध्ययन दल ने फसल उत्पादन का जायजा लेने की अत्यन्त वैज्ञानिक पद्धति तथा इस सम्बन्ध में स्थापित की जाने वाली मशीनरी का विकास करने के लिये कृषि वैज्ञानिक तथा सांख्यिकी विशेषज्ञों के एक कार्यकारी दल का गठन करने की सिफारिश की थी। सदनुसार, अर्थ तथा सांख्यिकी मन्त्रालय की अध्यक्षता में योजना आयोग, संगणना सांख्यिकी संगठन, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, ग्राम विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, अर्थ तथा सांख्यिकी व्यूरो, केरल तथा भारतीय रिजर्व बैंक में सांख्यिकी विभाग के प्रतिनिधियों का एक कार्यकारी दल गठित करने का प्रस्ताव था।

2 कार्यकारी दल का गठन निम्नलिखित रूप से किया जायेगा:—

- | | |
|---|---------|
| 1 अर्थ तथा सांख्यिकी सलाहकार | अध्यक्ष |
| 2 श्री आई० पी० राजपूत, निदेशक एफ० ओ० डी०, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन | सदस्य |
| 3 डा० हरपाल छिह, निदेशक (ऋण) योजना आयोग | सदस्य |
| 4 डा० बी० एन० त्यागी, अपर कृषि निदेशक (सांख्यिकी) उत्तर प्रदेश | सदस्य |
| 5 डा० पी० ए० नायर, निदेशक अर्थ तथा सांख्यिकी व्यूरो, केरल | सदस्य |
| 6 श्री ए० वी० के० शान्त्री, संयुक्त निदेशक, संगठन सांख्यिकी संगणना | सदस्य |
| 7 श्री धार० पी० जैन, ग्राम विकास | सदस्य |
| 8 श्री एम० पी० गोधीकर, सांख्यिकी निदेशक, रिजर्व बैंक, बम्बई | सदस्य |

3. फसल की कटाई के योगों भ्रम या दृष्टिक नमूना पद्धति पर या प्रत्यक्ष रूप से जांच करके फसल उत्पादन का जायजा लेने की वर्तमान पद्धति की जांच-पड़ताल करना तथा फसल उत्पादन का जायजा लेने के लिये समुचित पद्धति का सुझाव देना कार्यकारी दल के विचारार्थ विषय होंगे।

4. कार्यकारी दल की बैठके समय-समय पर आवश्यकतानुसार होती रहेंगी।

5. कार्यकारी दल की सचिवालय सम्बन्धी आवश्यकता सहायता कृषि और सहकारिता विभाग के अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय द्वारा दी जायेंगी।

6. यदि कार्यकारी दल के गैर सरकारी सदस्यों का अपने कार्य के लिये दिल्ली से बाहर दौरे करने पड़े तो उनका यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता भारत सरकार के कृषि और सहकारिता विभाग के अर्थ और सांख्यिकी निदेशालय द्वारा वहन किया जायेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक कार्यकारी दल के सभी सदस्यों, कृषि और सिंचाई मंत्रालय के सभी सम्बन्धित एवं अधीनस्थ कार्यालयों, कृषि विभाग और अर्थ तथा सांख्यिकी निदेशालय के सभी अधिकारियों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव, कृषि मूल्य आयोग के अध्यक्ष व सदस्य सचिव तथा निदेशक जन सम्पर्क को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की सामान्य जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

आर० नो० सू०, अपर सचिव

RAIYA SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 30th January 1980

No. RS. 18/80-T.—Shri H. R. Basavaraj, an elected Member of the Rajya Sabha, representing the State of Karnataka, has resigned his seat in the Rajya Sabha and his resignation has been accepted by the Chairman with effect from the 17th January, 1980.

S. S. BHALLERAO, Secretary-General.

MINISTRY OF PLANNING (DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi-110001, the 17th January 1980

No. H-11021/27/79-Coord.—The Government of India hereby reconstitutes the Technical Advisory Committee on Statistics of Prices and Cost of Living with effect from the 31st January 1980, with the following membership :—

CHAIRMAN

1. Director,
Central Statistics Organisation,
Department of Statistics,
New Delhi.

MEMBERS

2. Adviser,
Employment, Labour & Manpower,
Planning, Planning Commission,
New Delhi.
3. Economic & Statistical Adviser,
Ministry of Agriculture and Irrigation,
New Delhi.
4. Chief Economic Adviser,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
New Delhi.
5. Economic Adviser,
Ministry of Industry,
New Delhi.
6. Economic Division Adviser,
Planning Commission,
New Delhi.
7. Member-Secretary,
Agricultural Prices Commission,
Department of Agriculture,
Ministry of Agriculture and Irrigation,
New Delhi.
8. Director,
Field Operations Division,
National Sample Survey Organisation,
Department of Statistics,
New Delhi.

9. Director,
Survey Design and Research Division,
National Sample Survey Organisation,
Calcutta.
10. Director,
Labour Bureau, Ministry of Labour,
Simla.
11. Statistical Adviser,
Reserve Bank of India,
Bombay.
12. The Director of Economics and
Statistics, Government of Kerala,
Trivandrum.
13. The Director of Economics and
Statistics, Government of
Haryana, Chandigarh.
14. The Director of Economics and
Statistics, Government of Bihar,
Patna.

MEMBER-SECRETARY

15. Joint Director,
Central Statistical Organisation,
Department of Statistics,
New Delhi.
2. The representatives of the State Governments will serve on the Committee for a period of 2 years with effect from 31st January 1980.
3. The functions of the reconstituted Committee will be as under :—
 - (a) Examination of proposals for the conduct of family budget enquiries by Central Government, State Governments, or Union Territory Administrations;
 - (b) Examination of schemes prepared by the Central Government, State Governments, or Union Territory Administrations, for the construction of consumer price and comparative costliness indices, and special problems connected therewith, including problems concerning all-India and State level indices;
 - (c) Improvement and standardization of the concepts, definitions methods of price collection, and compilation of consumer price and comparative costliness indices;
 - (d) Examination of schemes prepared by the Central Government, State Governments, or Union Territory Administrations, for the construction of wholesale, retail, producers' and other price indices, and special problems connected therewith including problems concerning all-India and State level indices;
 - (e) Improvement and standardization of the concepts, definitions, methods, or price collection and compilation of wholesale, retail producer's and other price indices, including methods of weighting appropriate for each type of indices;

- (f) Review of organisational arrangements and the machinery for price collection with a view to rationalizing and developing an integrated system of collection, compilation and dissemination of price statistics.

4. Secretarial assistance to the Committee will be provided by the Central Statistical Organisation, Department of Statistics.

S. L. SETHI, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 9th February 1980

No. 11013/6/79-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1980 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution ((Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer

of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st January, 1980 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1952 and not later than 1st January, 1959.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 15th October, 1980.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission to be guilty of—

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debared either permanently or for a specified period—

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person ;

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix II.

P. G. LEIF, Deputy Secretary

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva Voce* (*vide* Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

Sl. No.	Subject	Maximum marks	Time allowed
A. Indian Economic Service			
1.	General English	150	3 hrs.
2.	General Studies	150	3 hrs.
3.	General Economics I (Parts I and II)	200 Part I— 1 hr. Part II— 2 hrs.	3 hrs.
4.	General Economics II (Parts I and II)	200 Part I— 1 hr. Part II— 2 hrs.	
5.	Indian Economics (Parts I and II)	200 Part I— 1 hr. Part II— 2 hrs.	3 hrs.
B. Indian Statistical Service			
1.	General English	150	3 hrs.
2.	General Studies	150	3 hrs.
3.	Statistics I	200	3 hrs.
4.	Statistics II	200	3 hrs.
5.	Statistics III	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type question.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see Candidates' Information Manual at Appendix IV.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics' Statistics.

GENERAL ENGLISH.

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

GENERAL STUDIES.

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS-I

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production functions. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post-Keynesian development.

GENERAL ECONOMICS II

Concept of economics growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics: Theories of international trade terms from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments. Disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms, GATT; International aid for economic growth, I.B.R.D. and its affiliates.

Money: Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives: Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS

Basic features of the Indian economy. Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade. Concept of balanced growth.

Planning: Objective, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture: New agricultural strategy: land relations and land reforms; rural credit; role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation: its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry: Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises: Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour: Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and incomes policy.

Foreign Trade: Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking: organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve bank of India. Monetary policy.

Public Finance: Fiscal Policy; Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing. Union-State financial relations.

STATISTICS I

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Probability (40 percent weight).

Elements of measure theory. Classical definitions and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric multinomial. Laplace, negative binomial beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Techebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 per cent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate

normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions, of \bar{x} , S^2 , t , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median, run, Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 percent weight)

Interpolation formula (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference) Gauss and Stirling. Euler-Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

STATISTICS II

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Estimation (25 percent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g -inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

Estimation (25 percent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 percent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 percent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistics, Mahalanobis's D^2 statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS III

NOTE :—ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS, NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS, WILL BE SET

PART A (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 percent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 percent weight)

Components of time series. Methods of their determination—Variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART B

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 percent weight)

Different kinds of control charts for variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Romig and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of quality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/1, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 percent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 percent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^k experiments. Split-plot and strip-plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 percent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multi-collinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows:

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250.
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000.

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes of other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of a half of a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distance Vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9 or 6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of vision*.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the parameter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness, (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A, in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embylopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such persons provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopeters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is above 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination, of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-hard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Some times as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level : they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will, base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—
 - (1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.
 - (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequency of 1000 to 4000.
 - (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.
 - (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit, Under Improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
 - (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
 - (iii) Central perforation both ear—Temporarily unfit.
 - (4) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/on both sides.
 - (i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.
 - (ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical job, Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.
 - (5) Persistently discharging ear operated/unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

- (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
 - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
 - (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx
 - (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
 - (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.
 - (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
 - (ii) Malignant Tumours—Unfit.
- (9) Otosclerosis

If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
- (10) Congenital defect of ear, nose, or throat.
 - (i) If not interfering with functions.—Fit.
 - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
- (11) Nasal Poly.

Temporarily Unfit.

 - (b) that his speech is without impediment.
 - (c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound).
 - (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
 - (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
 - (f) that he is not ruptured;
 - (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocoe, varicose veins or piles
 - (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
 - (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
 - (j) that there is no congenital malformation or defect;
 - (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
 - (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
 - (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government

of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :

1. State your name in full (In block letters)

2. State your age and birth place

(a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis?

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health.	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of death.
Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death.	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at, and cause of death.

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is, Yes please state what Service/Services you were examined for?

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Result of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known

I declared that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signature of the Chairman of the Board

Signature of the Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)

1. General development : Good fair Poor.....

Nutrition : Thin Average Obese.....
 Height (without shoes) Weight
 Best Weight When ? any recent
 change in weight ? Temperature

Girth of Chest :

- (1) (After full inspiration).....
 (2) (After full expiration).....

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

- (1) Any disease
 (2) Night blindness
 (3) Defect in colour vision
 (4) Field of vision
 (5) Visual acuity
 (6) Fundus examination.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. axis.
Distant vision	R.E. L.E.		
Near vision	R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
 Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal
 anything abnormal in the respiratory organs ?
 if yes, explain fully

8. Circulatory System :

- (a) Heart : Any organic lesion ? Rate
 Standing
 After hopping 25 times
 2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness.....
 Hernia

(a) Palpable : Liver Spleen
 Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental dis-
 abilities

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele,
 varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance
 (b) Sp. Gr.
 (c) Albumen
 (d) Sugar
 (e) Casts
 (f) Cells

13. Report of Screening X-ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely
 to render him unfit for the efficient discharge of his
 duties in the service for which he is a candidate ?.....

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that
 she is pregnant of 12 weeks standing or over, she
 should be declared temporarily unfit, vide regula-
 tion 9.

15. (i) Has he been found qualified in all
 respects for the efficient and conti-
 nuous discharge of his duties in
 the Indian Economic Service and
 Indian Statistical Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD
 SERVICE

NOTE :—The Board should record their findings under one
 of the following three categories ?

(i) Fit.....

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Place Chairman

Date Member

Member

APPENDIX—IV

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

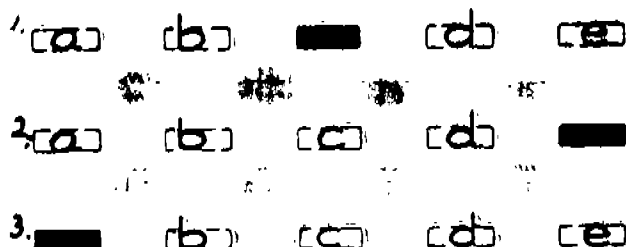
B. Nature of the Test

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.) In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet (specimen enclosed) number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and remark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;

3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

F. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. *There will be no negative marking.*

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.

- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to the Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND CO-OPERATION)

New Delhi, the 17th January 1980

RESOLUTION

No. 33012/2/78-Econ.Py.—The term of the Special Expert Committee, constituted vide Government of India Resolution No. 33012/2/78-Econ.Py. dated the 30th January 1979 for reviewing methodology, procedures and other related matters concerning cost of production estimates was extended upto 31st December 1979. As the finalisation of the report requires more time, it has been decided to extend the term of the Special Expert Committee further upto 31st March, 1980.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, all Members of the Special Expert Committee, Dr. S. P. Pant, Economist, Directorate of Economics and Statistics, and all Attached and Subordinate Office of the Ministry of Agriculture and Irrigation, all Officers of the Department of Agriculture and Directorate of Economics and Statistics, Director General, Indian Council of Agricultural Research and Secretary (DARE), Chairman and Member Secretary, Agricultural Prices Commission, Director (Public Relations).

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. S. SWAMINATHAN, Secy.

New Delhi, the 17th January 1980

RESOLUTION

No. 13012/1/78-Econ.Py.—The Study Team on overdues of Cooperative Credit Institutions appointed by the Reserve Bank of India had recommended the constitution of a Working Group consisting of agricultural scientists and statistical experts for evolving the most scientific method of assessing crop yields and the machinery that may have to be set up in this regard. It was accordingly proposed to set up a Working Group under the chairmanship of the Economic and Statistical Adviser with representatives of the Planning Commission, Census Statistical Organisation, National Sample Survey Organisation, Department of Rural Development, Government of Uttar Pradesh, Bureau of Economics and Statistics, Kerala and Statistical Department of the Reserve Bank of India.

2. The composition of the Working Group will be as under :—

CHAIRMAN

1. Economic and Statistical Adviser.

MEMBERS

2. Shri Y. P. Rajput, Director, FOD.
National Sample Survey Organisation.
3. Dr. Harpal Singh, Director,
(Credit), Planning Commission.
4. Dr. B. N. Tyagi, Additional,
Director of Agriculture (Stats.)
Uttar Pradesh.
5. Dr. P. A. Nair, Director, Bureau
of Economics and Statistics, Kerala.
6. Shri A. V. K. Sastri, Joint Director,
Census Statistical Organisation.
7. Shri R. P. Jain, Rural Development,

8. Shri S. P. Gothoekar, Director of
Statistics, Reserve Bank, Bombay.

3. The terms of reference of the Working Group will be to examine the present procedure of assessing crop yields either through crop cutting experiments by the random sampling procedure or by eye examination and annawari method and to suggest appropriate procedures for assessing crops yields.

4. The Working Group will meet as often as necessary.

5. Necessary Secretariat assistance to the Working Group will be provided by the Department of Agriculture and Cooperation (Directorate of Economics and Statistics).

6. T.A./D.A. in respect of non-official members of the Working Group for their tours, etc. if any, outside Delhi, in connection with their work will be borne by the Government of India in the Department of Agriculture and Cooperation (Directorate of Economics and Statistics).

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, all members of the Working Group, all attached and subordinate offices of the Ministry of Agriculture and Irrigation, all Officers of the Department of Agriculture and Directorate of Economics and Statistics, Director General, Indian Council of Agricultural Research and Secretary (DARE), Chairman and Member Secretary, Agricultural Prices Commission and Director (Public Relations).

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. C. SOOD, Addl. Secy.